for the cost of the damaged crops. I have initiated that. I have taken steps in that direction. I am very thankful to the hon. Members who have put this question. Otherwise, I was also sleeping.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Have you educated the farmers that they do not need to use more than what is required?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Education of farmers is going on. But we should also take some punitive action against erring companies. So far as education of farmers is concerned, we are asking the State universities also to work for that. Some schemes have already been worked out. I have stated this in my reply. We have given Rs. 50 lakhs for each biocontrol laboratory. We have given Rs. 30 lakhs for building and Rs. 20 lakhs for equipment. We have just started this. We have not yet been able to do this in the whole country. I have just stated that. As far as training programmes are concerned, I have arleady given the details in my reply as to how much has been done. I agree that we have to do much more.

डा० वाई० लक्ष्मी प्रसादः धन्यवाद सभापति महोदय। मंत्री जी ने अपने उत्तर के अनुबंध में अनाज, गन्ने और रुई के बारे में बताया है लेकिन आम के बारे में, मैंगों क्रॉप के बारे में उन्होंने नहीं बताया है। Sir, you know very well that the Andhra mango is famous world-wide. Despite crores of rupees being spent on production of mango and despite environment-friendly pest control measures being practised, production of mango has not been up to the mark. There is enormous potential for mango export but due to lack of technology it is not being exploited. The major drawbacks responsible for inadequate export of mango are excess and indiscriminate use of pesticides and organic chemicals. Consumers in the European market reject food item forthwith if they smell chemicals in them. So, my question is whether the problems of mango farmers are proposed to be solved by introduction of environment-friendly pest control measures so that there is a boost to mango export? Also, will the scientists be urged to help overcome the problems of mango farmers?

SHRI CHATURANAN MISHRA: Surely, Sir. It is in our scheme. Perhaps three or four days back it came out in the Press about the Andhra mango. I have directed DG, ICAR to look into it. We will certainly help them. But there are certain diseases for which the anti-virus and other such drugs are not yet ready. We are producing them. In the case of mango, it is being tried. We will do it.

मऊ शाहगंज रेलवे लाइन के आमान परिवर्तन के उद्घाटन को स्थगित किया जाना

*283. **श्री मोहम्मद मसूद खानः** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मऊ शाहगंज रेलवे लाइन के आमान परिवर्तन के उद्घाटन कार्यक्रम को, जो 18 फरवरी, 1997 को होना था, स्थगित किए जाने के क्या कारण हैं; और

(ख) उसका उद्घाटन कब होगा और इस लाइन पर कौन-कौन सी साधारण (पैसेंजर) तथा एक्सप्रेस रेलगाड़ियां कहां से कहां तक चलाए जाने का विचार है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) प्रश्न में उल्लिखित उद्घाटन की तिथि कभी भी निर्धारित नहीं की गई थी।

(ख) उद्घाटन की तिथि 27.03.1997 रखी गई है। जहां तक सेवाएं चलाने का संबंध है, प्रारंभ में मऊ और शाहगंज के बीच 2 जोड़ी पैसेंजर शटल शुरू करने का प्रस्ताव है।

श्री मोहम्मद मसूद खानः मुहतरम, मंत्री जी का बहुत-बहुत शुक्रिया कि उन्होंने वक्त से पहले तो लाईन बनवा दी है लेकिन अब कह रहे हैं कि 18 फरवरी नहीं...ईश दत्त यादव यहां नहीं हैं.... हम लोगों को फरवरी में एजेंडा मिला था, मंत्री जी का प्रोग्राम मिला था कि मंत्री जी को शाहगंज में उद्घाटन करना है। बहरहाल मेरा सवाल यह है कि लाइन तो बन गई है लेकिन अगर ट्रेन चालू होती तो लोगों को आमदरफ्त की जो सहूलियत थी, वह मिलती और रेलवे को पैसा मिलता। आखिर लाईन बनने के बाद इतना डिले करने की क्या ज़रूरत है? अगर कोई मौका नहीं है तो कोई ऐसा सिस्टम रेलवे को इस्तेमाल करना चाहिए टेलीविज़न के

ज़रिए या किसी और ज़रिए से कि हमने हरी झंडी दिखा दी। मान्यवर, दिक्कत हम लोगों को यह हो रही है कि जौनपुर सिटी एक ऐसा स्टेशन है जहां से ज्यादा ट्रेनें जाती हैं। दो साल हो गए वहां रिटायरिंग रूम बने हुए लेकिन उसका उद्घाटन नहीं हुआ है और हम लोग उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि उसका उद्घाटन मंत्री जी को नहीं करना है, किसी ऑफिसर को करना है तो आप क्या कोई ऐसा ज़रिया इस्तेमाल करेंगे कि जो रेलवे के पैसे का नुकसान हो रहा है, जो हम लोगों की आमदरफ्त की सहूलियत का नुकसान हो रहा है, तकलीफ हो रही है, उसे दूर करने के वास्ते जल्दी से जल्दी उद्घाटन करने की कोई तरकीब निकालेंगे?

†اختر محمد مسعود خان: محترم منتری جی کا بہت بہت شکریہ کہ انھوں نے سوال پوچھنے سے پہلے تو لائن بنوادی ہے لیکن اب کہہ رہے ہیں کہ ۱۸ فروری نہیں ۱۰۰ ایشو دت یاد وہاں نہیں ہیں ۰۰۰ ہم لوگوں کو فروری میں انجنڈا ملا تھا منتری جی کا پروگرام ملا تھا کہ منتری جی کو شاہ گنج میں اڈگھاٹن کرنا ہے۔ بہر حال میرا سوال یہ ہے کہ لائن تو بن گئی ہے لیکن اگر ٹرینیں چالو ہوتی تو لوگوں کی آمدورفت کی جو سہولیت تھی وہ ملتی اور ریلوے کو پیسے ملتا۔ آخر لائن بننے کے بعد اتنا وقت کرنے کی کیا ضرورت ہے۔ اگر کوئی موقع نہیں ہے تو کوئی ایسا سسٹم ریلوے کو استعمال کرنا چاہیے کہ ٹیلیویژن کے ذریعے یا کسی اور ذریعے سے کہ ہم نے ہری جھنڈی دکھادی۔ مانیٹر وردرفت ہم لوگوں کو کرایا جاسکتا ہے کہ جونپور سٹی ایک ایسا اسٹیشن ہے جہاں سے زیادہ ٹرینیں جاتی ہیں۔ دو سال ہو گئے وہاں ریٹائرنگ روم بنے ہوئے لیکن ان کا ادگھاٹن نہیں ہوا ہے اور ہم لوگ اسکا استعمال نہیں کر پا رہے ہیں۔ حالانکہ اس کا ادگھاٹن منتری جی کو نہیں کرنا ہے۔ کسی آفیسر کو کرنا ہے تو آپ کیا کوئی ایسا ذریعہ استعمال کریں گے کہ جو ریلوے کے پیسے کا نقصان ہو رہا ہے۔ جو ہم لوگوں کی آمدورفت کی سہولیت کا نقصان ہو رہا ہے۔ تکلیف ہو رہی ہے اسے دور کرنے کے واسطے جلدی سے جلدی ادگھاٹن کرنے کی کوئی ترکیب نکالیں گے۔]

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने सही कहा है कि यह जो रेलवे लाइन है, इसके गेज कनवर्ज़न का काम समय के मुताबिक पूरा हो गया है। 18 दिसम्बर से उस पर गुड्ज़ ट्रेन्स चलनी भी शुरू हो गई है लेकिन जब हम कोई पैसेंजर गाड़ी चलाते हैं तो उसके लिए हमें कमिश्नर फॉर रेलवे सेफ्टी, जो रेलवे का नहीं होता है, इंडिपेंडेंट होता है, उससे हमें क्लीयरेन्स लेनी पड़ती है। यह बात भी सही है कि हम चाहते थे कि फरवरी में हम इसे शुरू कर दें लेकिन पार्लियामेंट में बिज़ी होने के कारण, चूंकि माननीय सदस्य ने यह बात कही, हम लोग बहुत सारी गाड़ियां चला देते हैं, कोई ज़रूरी नहीं है कि मिनिस्टर उसमें जाए, चुनाव के समय में अक्टूबर में हमने जितनी गाड़ियों की घोषणा की थी, उसमें हमने स्पष्ट आदेश दे दिया था कि जो फोर्थ ग्रेड के इम्प्लॉज़ हैं, वे झन्डी दिखा कर गाड़ी शुरू करा देंगे और वह गाड़ी 1 अक्टूबर से शुरू हो भी गई। कुछेक चीज़ें ऐसी है जिसमें माननीय सदस्य चाहते हैं कि मंत्री भी रहें तो अच्छा हो। तो उसके लिए हम लोग टाईम को एडजस्ट करने की कोशिश करते हैं। इस मामले में 4 तारीख कमिश्नर फॉर रेलवे

†[ ]Transliteration in Arabic Script

सेफ्टी का इंस्पैक्शन था, क्योंकि उनकी क्लीयरेन्स के बगैर हम गाड़ी नहीं चला सकते हैं।

उन्होंने उसमें थोड़ी सी कमी निकाली और उस डिफैक्ट को दूर करने में समय लग गया। उसके बाद हम लाचार हो गये। लेकिन मैं माननीय संसद सदस्य का शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होंने अपना प्रश्न पूछा। 27 तारीख की डेट भी उससे पहले से ही हम चाहते थे चूंकि वहां के काफी लोग संसद सदस्य हैं और वह भी उसमें भाग लेना चाहेंगे। यह बहुत इम्पोर्टेंट लाइन है और इससे काफी दूरी कम हो गयी है। इसलिए 27 तारीख की डेट फिक्स कर दी गयी है लेकिन किसी भी मंत्री के कारण या मंत्री के द्वारा उद्घाटन नहीं हो, उसकी वजह से कोई प्रोजैक्ट, कोई रेलवे लाइन या कोई ट्रेन रुकी रहे, मैं इसके खिलाफ हूं और मैं इसका ध्यान रखूंगा।

श्री मोहम्मद मसूद खान: बहुत-बहुत शुक्रिया। दूसरे मंत्री, जी ने यह जवाब दिया कि पहले शटल ट्रेन यानी पैसेंजर ट्रेन चलेगी। मैं मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई की हमारी एक सदस्या श्रीमती चन्द्रकला पांडेय जी हैं, उनका मायका आज़मगढ़ में है और सिर्फ बड़ी लाइन की सहुलियत न होने की वजह से, आमदरफ्त की सहूलियत न होने की वजह से उनकी बड़ी दुश्वारी हो रही है। मैं मंत्री जी को सुझाव देना चाहता हूं कि जो गाड़ियां मऊ से बनारस होकर शाहगंज जाती हैं, उसको अगर आप डायरैक्ट मऊ से शाहगंज कर दें तो उसी टाइम में पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से धीरे-धीरे चलते हुए भी वह पहले शाहगंज पहुंच जाएगी। इसके अतिरिक्त मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के बेशुमार लोग मंत्री जी की तरफ देख रहे हैं कि कब यहां की ट्रेनें चलने लगे जिससे हम लोग सहुलियत से अपने घर पहुंच जाएं। मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि मंत्री जी ऐक्सप्रैस ट्रेन शुरू कर दें और जब तक ऐक्सप्रैस ट्रेन नहीं चलती, वह ऐक्सप्रैस ट्रेन जो मऊ से बनारस होकर शाहगंज जाती है, उसको डायरैक्ट मऊ से शाहगंज, पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से ले जाकर, कम वक्त में आप सर्विस करवा सकते है क्या इस पर आप गौर करेंगे?

†[श्री मोहम्मद मसूद खान: बहुत बहुत शुक्रिया। दूसरे मंत्री जी ने यह जवाब दिया कि पहले शटल ट्रेन यानी पैसेंजर ट्रेन चलेगी। मैं मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई की हमारी एक सदस्या श्रीमती चन्द्रकला पांडेय जी हैं, उनका मायका आज़मगढ़ में है और सिर्फ बड़ी लाइन की सहूलियत न होने की वजह से, आमदरफ्त की सहूलियत न होने की वजह से उनकी बड़ी दुश्वारी हो रही है। मैं मंत्री जी को सुझाव देना चाहता हूं कि जो गाड़ियां मऊ से बनारस होकर शाहगंज जाती हैं, उसको अगर आप डायरैक्ट मऊ से शाहगंज कर दें तो उसी टाइम में पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से धीरे-धीरे चलते हुए भी वह पहले शाहगंज पहुंच जाएगी। इसके अतिरिक्त मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के बेशुमार लोग मंत्री जी की तरफ देख रहे हैं कि कब यहां की ट्रेनें चलने लगे जिससे हम लोग सहुलियत से अपने घर पहुंच जाएं। मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि मंत्री जी ऐक्सप्रैस ट्रेन शुरू कर दें और जब तक ऐक्सप्रैस ट्रेन नहीं चलती, वह ऐक्सप्रैस ट्रेन जो मऊ से बनारस होकर शाहगंज जाती है, उसको डायरैक्ट मऊ से शाहगंज, पैसेंजर ट्रेन की हैसियत से ले जाकर, कम वक्त में आप सर्विस करवा सकते है क्या इस पर आप गौर करेंगे?]

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

श्री राम विलास पासवान: जो वर्तमान गाड़ियां चल रही हैं उनके रूट के परिवर्तन के बारे में जो आपने कहा है, निश्चित रूप से इसके ऊपर हम विचार करेंगे लेकिन जब हम किसी चीज़ पर विचार करते हैं तो जिस तरफ से वह गाड़ी चलती है, उस रूट में अगर गाड़ी बंद हो जाती है या डायवर्ट किया जाता है तो उस रूट के लोगों को थोड़ा दुख लगता है। हम उनको कनवींस करने की कोशिश करेंगे जिससे कम के कम समय में गाड़ी जाए। दूसरा जो आपने कहा है, अभी तो दो पैसेंजर ट्रेनों का हमने निर्णय किया है, इसके बाद तीन करने का भी विचार कर रहे है। लेकिन जैसा मैंने कहा कि यह बहुत इम्पोर्टेंट रूट है, निश्चित रूप से हम बजट में, क्योंकि अभी हमारे पास जितनी कैपेसिटी है, उसको देखते हुए हमने अपने बजट भाषण में अनाउंस भी किया है, लेकिन हमारे पास निश्चित रूप से जब कोचिज़ सुविधा हो जाएगी तो जो आपने सुपर फास्ट ट्रेन या रफ्तार से चलने वाली गाड़ी के लिए कहा है, उस पर हम विचार करेंगे।

MR. CHAIRMAN: Q.No. 284 — Shri S. Muthu Mani, not present; Q.No. 285 — Shrimati Kamla Sinha, not present; Q.No. 286 — Shri Narendra Mohan, not present; Q.No. 287 — Shri Gundappa Korwar,. not present.

*284 [**The Questiones (Shri S. Muthu Mani)** was absent. For answer vide column....*infra]*

*285 [**The Questiones (Smt. Kamla Sinha)** was absent. For answer vide column....*infra]*

*286 [**The Questiones (Shri Narendra Mohan)** was absent. For answer vide column....*infra]*

*287 [**The Questiones (Shri Gundappa Korwar)** was absent. For answer vide column....*infra]*

SHRI AJIT P.K. JOGI: A sort of record is being created today.

MR. CHAIRMAN: Q.No. 288 — Dr. Y. Lakshmi Prasad.

Out-of-turn Allotment of Rail Travellers Service agents

*288. DR. Y LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether "out-of-turn allotment" of Rail traveller service agents licences in Hyderabad and other places has been reported in "Deccan Chronicle" (Hyderabad edition), dated the 2nd February, 1977;

(b) if so, the details therof; and

(c) the reaction of the Government thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The News-item relates to appointment of Rail Travellesrs' Service Agents on South Central Railway alleging irregularities in their appointments and failure to finalise appointments in response to advertisements invited in january, 1996. If also states misuse of licences by some agents.

(c) After the formulation of Authorisation of Rail Travellers, Service Agents Rules, 1985, 17 Rail Travellers' Service Agents were appointed by South Central Railway. At present 20 Rail Travellers' Service Agents are functioning on South Central Railway which includes some cases granted of the instance of the Ministry of Railways subject to fullfilment of prescribed conditions stipulated in the Authorisation of Rail Travellers' Service Agents Rules, 1985.

In January, 1996 application for appointing additional Rail Traveller' Service Agents were invited. Selection process has been completed for appointment of 31 additional Rail Travellers' Service Agents.

As regards misue of licences, surprise checks are conducted by Zonal Railways